दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 26 | हरिद्वार | शनिवार, 12 जुलाई, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

सीएम धामी ने किया रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को देहरादून में रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने किरसाली चौक, आई.टी पार्क, ननूरखेड़ा, आमवाला, तपोवन, शांति विहार में स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुनते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन को प्रभावित लोगों को हर संभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने नियमित रूप से नालियों की सफाई करने और जलभराव वाले क्षेत्रों में ड्रेनेज की समुचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतते हुए चेतावनी बोर्ड भी लगाए जाएं। मुख्यमंत्री ने स्थानीय पुलिस बलों, सभी विभागों को भी अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी आकस्मिकता की स्थिति में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही रिस्पॉन्स समय को कम से कम रखते हुए प्रभावित लोगों की जान माल की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करें। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रुहेला, विधायक उमेश शर्मा काऊ एवं जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

दुर्गम क्षेत्रों की महिलाओं के सुरक्षित प्रसव हेतु स्वास्थ्य विभाग की सकारात्मक पहल

चमोली। मानसून के दौरान चमोली जिले के दुर्गम क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के लिए जोखिम बढ़ जाता है। इन परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष रणनीति के तहत गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर काम किया जा रहा है। जनपद के सभी 9 विकासखंडों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी घर-घर जाकर गर्भवती महिलाओं का सर्वे कर रहे हैं। इस कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सभी संबंधित कर्मियों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। इसका उद्देश्य संभावित प्रसव वाली महिलाओं की समय रहते पहचान कर उन्हें सुरक्षित प्रसव हेतु स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। इस अभियान के अंतर्गत पोखरी ब्लॉक की 22 वर्षीय सुनीता देवी,उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की समय पर पहचान की गई। महिला को खून की कमी (एनीमिया) होने के कारण गंभीर प्रसव जटिलताओं की आशंका थी। आशा कार्यकर्ता श्रीमती रोशनी देवी और एनम श्रीमती प्रीति पुरोहित ने समय रहते गर्भवती महिला को प्रेरित किया और जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री नरेंद्र सिंह से समन्वय कर महिला को तुरंत जिला चिकित्सालय गोपेश्वर भेजा गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता के निर्देशन और अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वैष्णव कृष्णा की देखरेख में महिला को आयरन सुक्रोज इंजेक्शन के माध्यम से आयरन थेरेपी दी गई। उपचार के बाद %खुशियों की सवारी% वाहन के माध्यम से महिला को सुरक्षित घर पहुंचाया गया।

भारत की प्रतिष्ठा विश्वगुरु के रूप में होगी : रामदेव

हरिद्वार। योगगुरु रामदेव ने कहा कि आज पूरे विश्व में वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। वर्चस्व सत्य, योग, अध्यात्म और न्याय का होना चाहिए। अलग-अलग कारणों से पूरी दुनिया में अलग-अलग प्रकार के वैचारिक उन्माद, मजहबी उन्माद, भौतिकवाद, इंटिलेक्चुअल टैरिरिज्म, रिलिजियस टैरिरिज्म, पॉलिटिकल, इकॉनोमिकल टैरेरिज्म, मेडिकल टैरेरिज्म, एजुकेशनल टैरेरिज्म चल रहे हैं। ऐसे में पूरे विश्व को भारत से शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक दिशा मिलेगी और भारत की प्रतिष्ठा विश्वगुरु के रूप में होगी। यह बातें उन्होंने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। गुरु-शिष्य परंपरा की अनुपम विरासत को समर्पित पर्व गुरु पूर्णिमा पतंजलि योगपीठ के योगभवन ऑडिटोरियम (योगपीठ-2) में श्रद्धा, समर्पण और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। आयोजन में पतंजलि योगपीठ के संस्थापक स्वामी रामदेव और महामंत्री आचार्य बालकृष्ण की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों ने एक-दूसरे को पुष्पमाला अर्पित कर गुरु पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं दीं और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को विस्तार से बताया। योगगुरु रामदेव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल पर्व नहीं, बल्कि सनातन धर्म को युग धर्म के रूप में स्थापित करने का दिन है। यह पर्व भारत की ऋषि परंपरा, वेद परंपरा और गुरु परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि गुरु, वेद और ऋषि परंपरा में ही राष्ट्र धर्म समाहित है। यही परंपराएं भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रही हैं। उन्होंने पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें ऋषित्व और देवत्व का जीवन अपनाना होगा, जिससे समाज में नई चेतना और क्रांति का संचार होगा। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल परंपरागत पर्व नहीं है, बल्कि यह गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा, आस्था और समर्पण का प्रतीक है।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

पौधरोपण कर बेटे का जन्मदिन मनाया

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ पौधरोपण कर बेटे पीयूष अग्रवाल का जन्मदिन मनाया। साथ ही प्रत्येक नागरिक से जन्मदिन पर पौधरोपण करने का आवाहन किया गया। गुरुवार को प्रगति विहार स्थित वन विभाग के परिसर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि शास्त्रों में लिखा गया है कि एक पेड़ लगाने से एक यज्ञ के बराबर पुण्य मिलता है। कहा कि पीपल का पेड़ लगाने से व्यक्ति को सैंकड़ों यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। केवल इतना ही नहीं भारतीय संस्कृति में एक पेड़ लगाना, सौ गायों का दान देने के समान माना गया है। कहा कि प्रत्येक नागरिक को शुभ कार्यों में पौधरोपण करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को भी अपनी संस्कृति के प्रति रुझान कराने का आवाहन किया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि पौधारोपण हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है, हमें अपने जीवन में जितना हो सके उतना अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिये। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए

पौधारोपण बहुत जरूरी है। हम सभी का फर्ज बनता है कि पृथ्वी की खूबसूरती को बनाए रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस अवसर पर पीयूष अग्रवाल ने कहा कि यदि प्रकृति को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाए तो कदापि गलत नहीं होगा। पेड़ों पर प्रकृति निर्भर करती है। पेड़ लगाना प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन है और प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन ईश्वर की श्रेष्ठ आराधना है। एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है और उसका अपार पुण्य सहजता से हासिल होता है। एक तरह से पेड़ लगाने से अपार पुण्य की प्राप्ति होती है। इस मौके पर मंत्री डॉ अग्रवाल के सुपुत्र के जन्मदिन पर आम, पीपल, तुलसी, लीची, बेलपत्र, नींबू सहित फलदार व छायादार पौधे रोपे गए। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति से अपने जन्मदिन पर पौधरोपण करने का आवाहन किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी, सुरेंद्र कुमार, राजेश कुमार, शिव कुमार गौतम, संजीव पाल, अखिलेश मित्तल, रेंजर जीएस धमान्दा , वन दरोगा कमल कुमार, पवन शर्मा, अरुण बड़ौनी, राम सिंह पंवार, महिला मोर्चा अध्यक्ष रुचि जैन, हिमानी कौशिक, पूर्णिमा तायल, राजू नरसिम्हा, राजेंद्र बिजलवान, गुड्डी क्लूडा, निवेदिता सरकार आदि सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

पहचान छिपाना

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्वालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है। असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे।

रैंक के आधार पर मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। ई.सी.एच.एस योजना के तहत भारतीय सेना से सेवानिवृत्त पूर्व सैनिकों को अब एम्स ऋषिकेश में कैश लैस इलाज की सुविधा प्राप्त होगी। संस्थान और सेना के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में बृहस्पतिवार को इस स्वास्थ्य योजना का उद्घाटन किया गया। उत्तराखण्ड के पूर्व सैनिक और उनके आश्रितों के लिए नि:शुल्क इलाज हेतु एम्स द्वारा बृहस्पतिवार को ईसीएचएस (भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना) शुरू की गयी। योजना का उद्घाटन करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोज़ मीनू सिंह ने कहा कि इस योजना के तहत पूर्व सैनिकों को अस्पताल में इंडोर और आउटडोर दोंनो ही तरह की सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवायी जायेंगी। भारतीय सेना की ओर से पहुंचे जनरल ऑफिसर गिल ने पूर्व सैनिकों को एम्स अस्पताल में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु शुरू की गयी योजना के लिए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोज़ मीनू सिंह का आभार प्रकट किया गया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में उत्तराखण्ड में लगभग 4.5 लाख से अधिक पूर्व सैनिक और वीर नारियां रहती हैं। यह सभी इस योजना से लाभान्वित हो सकेंगे। योजना के नोडल अधिकारी डॉज़ मोहित धींगरा ने बताया कि पूर्व सैनिकों को उनकी रैंक के आधार पर इलाज की कैशलेस सुविधा प्रदान की जायेगी। इसके लिए पंजीकरण और जानकारी हासिल करने हेतु अस्पताल के ओपीडी काउन्टर के निकट ही ईसीएचएस का स्पेशल काउन्टर व्यवस्थित किया गया है। इस अवसर पर भारत सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस की ओर से सेना की स्थानीय विंग के जनरल ऑफिसर आर्मी कमाडिंग सब एरिया मेजर जनरल आरज़ प्रेमराज, डीन एकेडमिक प्रोज़ जया चतुर्वेदी, अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक प्रोज़ बी. सत्या श्री, डीएमएस डॉज़ रवि कुमार, डॉज़ श्रीलोय मोहन्ती, भारतीय सैन्य अधिकारीगण कमांडेंट मिलिट्री हॉस्पिटल देहरादून ब्रिगेडियर परीक्षित, कमांडेंट मिलिट्री हॉस्पिटल रूड़की ब्रिगेडियर पी. तिवारी, डायरेक्टर रीजनल सेंटर ईसीएचएस देहरादून कर्नल जितेंद्र कुमार, कर्नल कंडवाल, कर्नल सिंह, एम्स के मुख्य सुरक्षा अधिकारी कमांडेंट अनिल चन्द्र व आयुष्मान योजना के संजय त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

गुरुपूर्णिमा शिष्य के श्रद्धा का आत्म निरीक्षण-आरोहण का दिन

जतिन शर्मा

हरिद्वार। अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डॉ प्रणव पण्ड्या ने कहा कि सद्गुरु अपने शिष्य को अधर्म से धर्म के मार्ग की ओर ले जाते हैं। वे शिष्य के जीवन का कायाकल्प करते हैं। गुरु शिष्य के जीवन को संवारते हैं। सद्गुरु शिष्य के अंतर्मन को स्वच्छ व निर्मल बनाते हैं। युवाओं के प्रेरणास्रोत श्रद्धेय डॉ पण्ड्या शांतिकुंज में गुरुपूर्णिमा पर्व मनाने देश-विदेश से आये गायत्री साधकों को संबोधित कर रहे थे। श्रद्धेय डॉ पण्ड्या ने कहा कि गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरु का सदैव स्मरण व समर्पण के भाव निरंतर जीवित रखिये और श्रद्धा भाव को सतत बढ़ाने हेतु संकल्पित हो आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरु का सदैव स्मरण व समर्पण के भाव निरंतर जीवित रखिये और श्रद्धा भाव को सतत बढ़ाने हेतु संकल्पित हो आगे बढ़े। उन्होंने अपने जीवन में युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के मार्गदर्शन से आए आमूलचूल परिवर्तन का उल्लेख करते हुए श्रद्धा, समर्पण और साधना के महत्व को रेखांकित किया। रामायण सहित विभिन्न पौराणिक ग्रंथों के उदाहरणों के माध्यम से सद्गुरु की महानता की विस्तृत जानकारी दी। करुणामयी स्नेहसलिला श्रद्धेया शैलदीदी ने कहा कि गुरुपूर्णिमा शिष्य के श्रद्धा का आत्म निरीक्षण, आरोहण का दिन है। यह सद्ज्ञान का महापर्व है। संस्था की अधिष्ठात्री श्रद्धेया शैलदीदी ने कहा कि प्राचीन काल में सद्गुरुओं ने जिस तरह अपने शिष्यों को श्रद्धावान, ज्ञानवान बनाने के साथ चहुंमुखी विकास किया, परिणामत: उनके शिष्य राष्ट्र व संस्कृति के विकास के लिए प्राणवान, ऊर्जावान हो संकल्पित होकर समाज के विकास में जुटते थे। आज ऐसे शिष्यों की महती आवश्यकता है, जो अपनी प्रतिभा, ऊर्जा को समाज के हित में लगा सकें। इससे पूर्व श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं श्रद्धेया शैलदीदी ने गुरुपूर्णिमा महापर्व का पर्व पूजन से किया। इस दौरान युगगायकों ने 'धन्य हम हो गये जो आपसे जुड़ गये' जैसे गुरुमहिमा-भक्तिगीत से सराबोर कर दिया। सायं ब्रह्मवादिनी बहिनों ने दीपमहायज्ञ सम्पन्न कराया। गायत्री परिवार प्रमुखद्वय ने शांतिकुंज द्वारा तैयार की गयी शांतिकुंज पंचांग 226, कई पुस्तकों सहित विशेष डाक्यूमेंट्री, चेतना की शिखर यात्रा पुस्तक की आडियो बुक, आदि का विमोचन किया। युगऋषि पूज्य पं श्रीराम शर्मा आचार्य के प्रतिनिधि के रूप में श्रद्धेय डॉ पण्ड्या व श्रद्धेया शैलदीदी ने सैकड़ों नये साधकों को गायत्री महामंत्र की गुरुदीक्षा दी। साथ ही पुंसवन, नामकरण, उपनयन सहित विभिन्न संस्कार बड़ी संख्या में नि:शुल्क सम्पन्न कराये गये। गुरुपूर्णिमा से प्रारंभ हो रहे चालीस दिवसीय चान्द्रायण व्रत के लिए भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया सहित कई देशों के हजारों साधक जुटे। इन साधकों को गायत्री परिवार प्रमुख डॉ प्रणव पण्ड्या ने संकल्पित कराया।

हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सेमवाल पहुँचे डॉ अग्रवाल के पास

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल से उत्तराखंड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सेमवाल ने मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ अग्रवाल ने उत्तराखंड राज्य के स्थानीय नागरिकों को हथकरघा और लघु उद्योग से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में यदि हथकरघा और हस्तशिल्प पर जोर दिया जाए तो रोजगार के साधन पैदा किए जा सकते हैं। इस पर उपाध्यक्ष सेमवाल ने बताया कि अभी तक 12 जनपदों में भ्रमण कर संभावनाएं तलाशी है।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

कारगिल विजय दिवस को शौर्य दिवस के रूप में मनायें-पीएस चौहान

जतिन शर्मा

हरिद्वार। कारगिल विजय दिवस को शौर्य विजय दिवस को धूमधाम से मनाए जाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पीएस चौहान के अध्यक्षता में जिला सभागार में सात जुलाई को बैठक आयोजित की। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि 26 जुलाई 225 को कारगिल विजय दिवस शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा, इसके लिए कार्यक्रम को भव्यता के साथ आयोजित किए जाने के लिए जिस विभाग से जो भी व्यवस्थाएं एवं तैयारियां की जानी है ,संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए है कि कारगिल में शहीद हुए सैनिक अन्य शहीद सैनिकों की वीर नारियों एवं उनके परिजनों को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम स्थल

तक आने जाने के लिए रुड़की क्षेत्र के शहीद सैनिकों के परिजनों को लाने ले जाने के लिए उप जिलाधिकारी रुड़की को नोडल अधिकारी तथा ज्वालापुर हरिद्वार के लिए उपजिलाधिकारी हरिद्वार कों नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए। शहीद सैनिकों के वीर नारियों एवं उनके परिजनों को कार्यक्रम स्थल एवं उनके घर तक पहुंचने के लिए परिवहन की व्यवस्था करने के लिए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को आवश्यक करवाई करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम स्थल पर साज - सज्जा की उचित व्यवस्था करने के निर्देश जिला उद्यान अधिकारी को दिए, इसके साथ ही कारगिल विजय दिवस के संबंध में निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए, इसके साथ ही खेल विभाग को हॉकी प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होने वाले अतिथियों के लिए जलपान की व्यवस्था के निर्देश जिला पूर्ति अधिकारी को दिए। कार्यकम स्थल पर साउंड सिस्टम सफाई/ व्यवस्था के निर्देश नगर निगम एवं नगर पालिका को दिए।उन्होंने कहा कि वीर नारियों एवं उनके परिजनों को शॉल भेंट जिला कार्यालय के ओर से किया जाएगा, जिसके लिए उन्होंने शहीदों की सूची उपलब्ध करने के निर्देश जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को दिए,साथ ही उन्होंने एनसीसी कैडेटों को भी कार्यक्रम में शामिल करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सरिता पॉवर ने आयोजित होने वाले कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से अपेक्षा की है कि जिनके स्तर से जो भी व्यवस्थाएं सहयोग उपलब्ध कराया जाना है वह समय से कर किए जाए ताकि कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया जा सके । इस अवसर जिला पूर्ति अधिकारी तेजबल सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक आशुतोष भंडारी, अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी अभिजीत सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी नेहा झा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कांवड़ मेले के चलते हरिद्वार में रहेगा ट्रैफिक प्लान 11 जुलाई से 23 जुलाई तक लागू

हरिद्वार। कांवड़ मेले के चलते हरिद्वार में इस बार पुलिस-प्रशासन का ट्रैफिक प्लान 11 जुलाई से 23 जुलाई तक लागू रहेगा। इस ट्रैफिक प्लान में दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, देहरादून, ऋषिकेश, बिजनौर, मुरादाबाद, नजीबाबाद, यमुनानगर और हिमाचल, पंजाब, हरियाणा सहित अन्य राज्यों से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग तय किए गए हैं। साथ ही हरकी पैड़ी क्षेत्र को पूर्ण रूप से जीरो जोन घोषित किया गया है। इसके साथ ही शुक्रवार से 17 जुलाई तक हर दिन 20 घंटे भारी वाहनों की एंट्री हरिद्वार हाईवे पर बंद रहेगी। सिर्फ चार घंटे (रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक) ही भारी वाहनों को हरिद्वार में प्रवेश की अनुमति होगी। 18 जुलाई से 23 जुलाई तक भारी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। मुरादाबाद, बिजनौर, नजीबाबाद की ओर से आने वाले भारी वाहनों को चिड़ियापुर और कांगड़ी पार्किंग में खड़ा किया जाएगा, जबकि दिल्ली-मेरठ की ओर से आने वाले भारी वाहनों को नारसन बॉर्डर और मंडावर में रोका जाएगा। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को मंगलौर, नगला इमरती सर्विस लेन, लंढौरा, लक्सर, एसएम तिराहा होते हुए बैरागी कैंप पार्किंग की ओर भेजा जाएगा। वहीं, हल्के वाहन भूरहेड़ी, पुरकाजी बॉर्डर, तुगलपुर, लक्सर, एसएम तिराहा होते हुए हरिद्वार पहुंचेंगे। यातायात पर अत्यधिक दबाव पड़ने की स्थिति में रामपुर तिराहा, देवबंद, कोल्की टोल प्लाजा, बड़कला, मंडावर, अब्दुल कलाम चौक, नगला इमरती, लक्सर होते हुए बैरागी कैंप पार्किंग तक वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। दिल्ली से देहरादून और ऋषिकेश की ओर जाने वाले वाहनों को रामपुर तिराहा, देवबंद, छुटमलपुर, देहरादून, ऋषिकेश तथा बिझौली, भगवानपुर, बिहारीगढ़, देहरादून, ऋषिकेश मार्ग से निकाला जाएगा। यमुनानगर और सहारनपुर से हरिद्वार आने वाले वाहन भगवानपुर, बिझौली, नगला इमरती, लक्सर, एसएम तिराहा, बैरागी कैंप मार्ग से आएंगे। मुरादाबाद, बिजनौर और नजीबाबाद की ओर से आने वाले वाहनों को चिड़ियापुर से चार से दो किलोमीटर आगे गौरीशंकर और नीलधारा पार्किंग की ओर भेजा जाएगा। देहरादून और ऋषिकेश की तरफ से आने वाले वाहनों को नेपाली तिराहा, सप्तऋषि तिराहा, दूधाधारी फ्लाईओवर, चमगादड़ टापू व लालजीवाला मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा। रोडवेज बसों के लिए अलग से व्यवस्था रोडवेज बसों के लिए भी अलग व्यवस्था बनाई गई है। देहरादून और ऋषिकेश से आने वाली सभी बसों को नेपाली तिराहा, रायवाला, दूधाधारी तिराहा होते हुए मोतीचूर पार्किंग में खड़ा किया जाएगा। वहीं, दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, पंजाब, हरियाणा से आने वाली सभी बसें अपने निर्धारित रूट पर चलेंगी और ऋषिकुल मैदान में पार्क की जाएंगी। बिजनौर, नजीबाबाद, मुरादाबाद, नैनीताल से आने वाली बसें अपने निर्धारित रूट पर ही चलेंगी और उन्हें नीलधारा या गौरीशंकर पार्किंग में रोका जाएगा। चारधाम जाने वाले वाहन हरिद्वार नहीं आएंगेचारधाम यात्रा के लिए भी विशेष मार्ग तय किए गए हैं। केदारनाथ और बदरीनाथ वाले वाहनों को मेरठ, गढ़मुक्तेश्वर, नजीबाबाद, कोटद्वार, पौड़ी, श्रीनगर मार्ग से भेजा जाएगा। गंगोत्री और यमुनोत्री जाने वाले वाहनों को मेरठ, मुजफ्फरनगर, देवबंद, छुटमलपुर, विकासनगर के रास्ते निकासी दी जाएगी। आकस्मिक व्यवस्था- आकस्मिक परिस्थिति में यातायात को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक योजना भी तैयार की गई है। लक्सर मार्ग बाधित होने पर कांवड़ वाहनों को गुड़ मंडी और नगला इमरती के समीप चिन्हित स्थानों पर रोका जाएगा। सप्तऋषि से बहादराबाद के बीच अत्यधिक दबाव की स्थिति में वाहनों की निकासी वाल्मीकि चौक, रानीपुर मोड़, बीएचईएल होते हुए धनौरी मार्ग से कराई जाएगी। बढेडी मार्ग बाधित होने पर सल्फर मोड़ से लक्सर या खानपुर मार्ग से निकासी दी जाएगी। नारसन और मंगलौर में दबाव अधिक होने पर दिल्ली जाने वाले कांवड़ वाहनों को मंडावर होते हुए बाहर निकाला जाएगा। ऑटो विक्रम और ई-रिक्शा का अलग है प्लानट्रैफिक दबाव को ध्यान में रखते हुए ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा के लिए भी विशेष योजना बनाई गई है। देहरादून और ऋषिकेश की ओर से आने वाले ऑटो और विक्रम को दूधाधारी अंडरपास से मोतीचूर पार्किंग से वापस भेजा जाएगा। ज्वालापुर और बीएचईएल से आने वाले वाहनों को शिवमूर्ति तिराहा, तुलसी चौक और देवपुरा तिराहे से लौटाया जाएगा। जगजीतपुर से आने वाले वाहन सिंहद्वार से, कनखल से आने वाले वाहन शंकराचार्य चौक से और हिल बाईपास से आने वाले वाहन बिल्केश्वर तिराहे से वापस भेजे जाएंगे। हरिद्वार में 42,700 वाहनों की पार्किंगहरिद्वार में इस बार 42,700 वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है। बैरागी कैंप में 15,000 भारी वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जो हर की पैड़ी से पांच किलोमीटर दूर है। हरिराम इंटर कॉलेज में 100 दोपहिया वाहन, ऋषिकुल ग्राउंड में 1,000 दोपहिया वाहन, रामलीला ग्राउंड में 500 भारी वाहन, अलकनंदा पार्किंग में 500 हल्के वाहन, दीनदयाल पार्किंग में 8,000 दोपहिया वाहन, मोतीचूर पार्किंग में 1,500 हल्के वाहन, सर्वानंद घाट पार्किंग में 100 भारी वाहन, पंतदीप पार्किंग में 200 हल्के वाहन, चमगादड़ टापू में 3,500 हल्के वाहन, लालजीवाला पार्किंग में 10,000 हल्के व दोपहिया वाहन तथा गौरीशंकर व नीलधारा पार्किंग में 1,500 हल्के वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

व्यापारी कंपोस्टेबल बैग में एकत्रित करेंगे कूड़ा

हरिद्वार। कांवड़ मेला-2025 में स्वच्छता व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के लिए नगर निगम हरिद्वार ने इस बार खास पहल की है। मेले के दौरान जिन इलाकों में भीड़ के चलते कूड़ा गाड़ियां नहीं पहुंच पाती हैं, वहां दुकानदार अब खुद कंपोस्टेबल बैग में कूड़ा एकत्र करेंगे। नगर निगम की ओर से इन दुकानदारों को पहले ही 20-20 बैग वितरित किए जा रहे हैं। नगर निगम का लक्ष्य 500 से अधिक दुकानों में 10 हजार से अधिक बैग बांटने का है। नगर आयुक्त नंदन कुमार के निर्देश पर बनाई गई योजना के तहत अपर रोड, भीमगोड़ा, सुभाष घाट समेत उन प्रमुख मार्गों को चिह्नित किया गया है जहां हर साल भारी भीड़ के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है। ऐसे स्थानों पर अब कूड़ा जमा करने के लिए गाड़ियों की निर्भरता नहीं रहेगी। दुकानदार अपने यहां से निकलने वाले कूड़े को कंपोस्टेबल बैग में इकट्ठा करेंगे, जिन्हें निगम कर्मचारी तय समय पर कूड़ा निस्तारण प्वाइंट तक पहुंचाएंगे। मेले से पहले स्वच्छता को लेकर इस पहल की शुरुआत मेयर किरन जैसल ने खुद की। उन्होंने अपर रोड क्षेत्र में दुकानदारों को कंपोस्टेबल बैग बांटे और लोगों से इस व्यवस्था में सहयोग की अपील की। मेयर ने बताया कि ये बैग पूरी तरह जैविक रूप से विघटित होते हैं और पर्यावरण के अनुकूल हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम का यह कदम सिर्फ कांवड़ मेले तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगे अन्य बड़े आयोजनों में भी इसी तरह की व्यवस्था लागू की जाएगी। हर साल कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। अपर रोड और आसपास के क्षेत्रों में इतनी भीड़ हो जाती है कि सफाई वाहन वहां पहुंच नहीं पाते, जिससे गंदगी फैल जाती है और बदबू से लोगों को परेशानी होती है।

रोटरी क्लब कनखल ने मनाया 31वां स्थापना महोत्सव

जतिन शर्मा

हरिद्वार। रोटरी क्लब कनखल (डिस्ट्रीक 3८) द्वारा सिडकुल के एक होटल परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ रीता कॉलरा द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। डॉ. रीता कालरा एचसीएमएस श्रेणी–ङ्घ अधिकारी हैं, जो सिविल अस्पताल पंचकूला में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं प्रभारी अस्पताल प्रशासन के पद पर तैनात हैं। सात जुलाई को आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से की गई जिसमे उपस्थित सभी जनो ने खड़े होकर राष्ट्रगान गाया। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य रोटरी क्लब के संरक्षण में हेल्थ के लिए शिविर, शिक्षा के लिए सहयोग, पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण, जल बचाने के लिए जागरूकता अभियान, समाज सेवा के सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देना है। रोटरी क्लब डीजी डॉ रीता कॉलरा ने संबोधन में उन सभी का धन्यवाद व्यक्त किया जिन्होंने समाज मे बदलाव लाने में सहयोग किया। डॉ रीता कॉलरा ने पतित पावनी मां गंगा की संध्या आरती में शामिल हुई, हर की पैड़ी से मां गंगा का आशीर्वाद लेकर कार्यक्रम में पहुंची, जिसकी व्यवस्था के लिए उन्होंने डॉ विशाल गर्ग का आभार व्यक्त किया। उन्होने क्लब के लिए कहा कनाडा में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होने देखा कि 1.2मिलीयन रोटेरियन एक मंच पर आये थे। रोटरी क्लब के सदस्य स्वेच्छापूर्वक केवल भारत ही नही अपितु विश्व में बहुत बडे स्तर पर मानवता के हितों के लिए कार्य करते हुए नए लोगों को भी शामिल करते है जिससे सेवा करने का दायरा निरंतर बढता जा रहा है। प्रेरणादायक वाक्या बताकर यह संदेश

दिया कि हमें बहुत से सभी जन का सहयोग करना चाहिए। कहा कि लीडरशीप में नवनियुक्त हरपाल ने सभी का बहुत अच्छे से परिचय कराया। रोटेरिन बहुत ही विश्वसनीयता से कार्य करते है। लेह लद्दाख में भी हमने सोलर, शिक्षा जैसे बहुत से लोगों की खुशीयों को साझा किया है। कहा कि %हम फिल्म नही बनाते है हम जिन्दगीयां बदल देते है%। संबोधन में डॉ रीता कॉलरा (डीजी रोटरी क्लब) ने कहा कि रोटरी क्लब कनखल के लिए नवनियुक्त अध्यक्ष हरपाल सिंह की बेटी मनसिरत कौर ने मंच संबोधन में जिस तरह से परिचय दिया, इतनी कम आयु में ऐसा मंच संबोधन बेहद सराहनीय है। कुछ बालिकाओं ने संस्कृतिक नृत्य के साथ उपस्थित गणमान्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली बालिकाओं को डॉ रीता कॉलरा द्वारा उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रेरणादायक संबोधन में हरिद्वार में सक्रिय भूमिका निभा रहे डॉ विशाल गर्ग के अनुभव को भी उपस्थित जनों से साझा किया। कहा कि हम लोग सात स्तर से काम करते हैं शिक्षा, स्वास्थ्य, जच्चा–बच्चा, पर्यावरण संरक्षण, पानी बचाओ अभियान, पोषण आहार जैसे महत्वपूर्ण जरूरत के लिए हम लोग कार्य कर रहे है। जहां स्कूल में टॉयलेट नही है, पीने का पानी नही है वहा पर कार्य किये जा रहे है। लड़कियों व महिलाओं पर कार्य कर महिला सशक्तिकरण को मजबूती से समाज में शामिल कर रहे है। बेटी बचाओ, बेटी पढाओ के साथ साथ हमें बेटी की सेहत का भी ध्यान रखना है। सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन जो 9 वर्ष से 14 वर्ष की बालिकाओं को लगता है उत्तराखंड में भी हम 5 से अधिक बेटियों को वैक्सीनेशन कर चुके हैं 7 डोज दे चुके हैं विश्व स्तर पर वैक्सीनेशन देने की संख्या बहुत अधिक है। कहा की भारत में रोटरी बहुत बड़ी संस्था है और पूरे विश्व के अंदर रोटरी फाउंडेशन जो चैरिटी मिलती है उस चैरिटी के द्वारा हम बड़े–बड़े प्रोजेक्ट पूरे विश्व के लिए कर रहे हैं, नेपाल में पानी की दिक्कत पर हमने काम किया है, सोमालिया के अंदर प्रभावित लोगो को हमने राहत पहुचाने, दक्षिण अफ्रीका के गरीब देश को खाद्य सामग्री पहुंचाने और आज पूरे देश में पोलियो को जड़ से उखाड़ दिया है। आज पूरे विश्व में सिर्फ दो ही देश ऐसे हैं जो पोलियो से प्रभावित हैं शेष पूरा विश्व पोलियो मुक्त हो चुका है यह सब रोटरी फाउंडेशन के प्रयास की महत्वपूर्ण भूमिका दर्शाता है। रोटरी क्लब कनखल के नवनियुक्त अध्यक्ष हरपाल सिंह ने उपस्थित सभी सदस्यो का आभार व्यक्त करते हुए स्वागत किया। मीडिया प्रतिनिधि परमेन्द्र नारायण, बिक्रमजीत सिंह, शिव कुमार पाठक, जतिन शर्मा को सम्मान चिन्ह देकर उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया और बताया की जन सेवा करना ही हमारे क्लब का मुख्य उद्देश्य है। %सर्विस अब्व सेल्फ अर्थात स्वयं से पहले सेवा% को हम अपनी पहचान रखेंगे। कहा की %संगठन वही बड़ा होता है जहां लोग सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बना लें% और रोटरी सिर्फ एक संस्था नहीं यह एक सोच है एक ऐसी सोच जो कहती है सेवा से ऊपर कुछ नहीं। अपाहिज, असहायों को व्हीलचेयर या अन्य तरह से सहयोग करना हमारी प्रमुखता है पदभार संभालने पर आज हमारी शुरुआत का पहला दिन है आज से ही हमें ग्रोथ मिल रही है। रोटेरियन हरपाल सिंह ने क्लब डीजी रोटेरियन डॉ रीता कॉलरा से नये सदस्यों को सदस्यता दिलवाई।

रोटेरियन डॉ विशाल गर्ग ने बताया कि प्रतिवर्ष रोटरी क्लब के अध्यक्ष और सचिव पदभार से मुक्त होते हैं और नये अध्यक्ष और सचिव पदभार नियुक्त होते है। इसको इंस्टॉलेशन स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है आज इंस्टॉलेशन दिवस पर रोटरी क्लब के पुराने अध्यक्ष और सचिव ने नवनियुक्त अध्यक्ष और सचिव को कार्यभार सौंप दिया। हमें गर्व है संस्था रोटरी क्लब पोलियो को जड़ से मिटाने में प्राथमिकता से कार्यरत है। रोटेरियन गर्ग ने कहा मैं समाज के उन सभी लोगों से कहना चाहता हूँ जो दूसरों के लिए कुछ करना चाहते हैं वह सब मिलकर रोटरी क्लब का हिस्सा बने, संस्था को सहयोग करें और सामाजिक कार्यों में अहम भूमिका निभाएं।

रोटेरियन गौरव गुप्ता असिस्टेंट गवर्नर ने बताया रोटरी क्लब के 22 जोन है जो गवर्नर रोटरी क्लब को स्पोर्ट करते हैं। उन्होंने बताया रोटेरियन रवि प्रकाश का कहना है कि इस वर्ष हम %नन्हे दीपक% नाम से यह प्रोजेक्ट लांच कर रहे हैं जिसमें छोटे बच्चों को निर्धन बच्चों को स्कूल बैग वितरण का प्रोजेक्ट किया जाएगा। दूसरा प्रोजेक्ट हमारा %उजाला% नाम से है जहां लाइट नहीं पहुंच पाती है वहां हम जगह चिन्हित कर सोलर लाइट उपलब्ध करवाएंगे। पहचान से मतलब हमारा तीसरा प्रोजेक्ट है %पहचान%, रोटेरियन की पहचान बनाने के लिए हम काम करेंगे। हमारे डिजी का जो विजन है ब्रेस्ट कैंसर जैसे सामजिक कार्यो पर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के सचिव राजीव अरोड़ा ने बताया कि वर्तमान वर्ष में हरपाल सिंह को रोटरी क्लब कनखल का प्रमुख नियुक्त किया गया है उपस्थित सभी गणमान्यों ने तालियां की गडगडाहट से रोटरी क्लब कनखल के लिए नवनियुक्त अध्यक्ष हरपाल सिंह का स्वागत किया। राजीव अरोड़ा ने कहा कि हम यहा गोहरीमाफी रायवाला मे कैंसर अस्पताल में रोगींयो के लिए भी निरंतर सहयोग करते है।

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे जिलाधिकारी :मुख्यमंत्री

जतिन शर्मा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों को गरिमा और संरक्षण प्रदान करने के लिए प्रति प्रतिबद्ध है, इसी क्रम में जिलाधिकारियों को वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय अपीलीय अधिकरण का पीठासीन अधिकारी बनाते हुए, उन्हें संबंधित शिकायतों का निस्तारण करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए लागू ‘माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण अधिनियम 2००7 को प्रभावी ढंग से अमल में लाया जाए। यह अधिनियम वरिष्ठ नागरिकों एवं माता–पिता को उनके बच्चों, बालिक पोते–पोतियों अथवा संपत्ति के उत्तराधिकारियों से भरण–पोषण की वैधानिक व्यवस्था प्रदान करता है। इस कानून को अमल में लाने के लिए राज्य में जिला स्तर पर कुल 13 अपीलीय भरण–पोषण अधिकरण एवं सब डिविजन स्तर पर 69 से अधिक भरण–पोषण अधिकरण कार्यरत हैं। जहां भरण–पोषण की राशि अधिकतम ?1०,००० प्रति माह निर्धारित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तरीय अपीलीय अधिकरण के पीठासीन अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट हैं, इसलिए उन पर इस कानून को सख्ती से अमल में लाते हुए, वरिष्ठ नागरिकों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी है। साथ ही तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी भरण पोषण संबंधित अधिकरण के पीठासीन अधिकारी और जिला समाज कल्याण अधिकारी (छ्ल्ल्ङ्ख) पदेन भरण–पोषण अधिकारी के रूप में जिम्मेदार बनाए गए हैं। कानून के तहत यदि कोई वरिष्ठ नागरिक देखभाल की शर्त पर संपत्ति हस्तांतरित करता है, लेकिन इसके बाद तय शर्तें पूरी नहीं होतीं, तो अधिकरण उस हस्तांतरण को अमान्य घोषित करते हुए, संपत्ति की वापसी सुनिश्चित कर सकता है। बागेश्वर, चमोली एवं उत्तरकाशी जिलों में निशुल्क वृद्ध एवं निशक्तजन आवास गृह संचालित किए जा रहे हैं। जहां कई जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिक निवासरत हैं। राज्य में वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद% का गठन करते हुए रामचंद्र गौड़ को अध्यक्ष, तथा श्रीमती शांति मेहरा, नवीन वर्मा, और हरक सिंह नेगी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उत्तराखंड सरकार अपने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों से विनम्र अपील है कि यदि आप जीवन–यापन हेतु उपेक्षित महसूस करते हैं, तो अविलंब अपने नजदीकी भरण–पोषण अधिकरण अथवा जिला समाज कल्याण अधिकारी से संपर्क करें।

गुरु पूर्णिमा पर 21 कलशों से मां गंगा का अभिषेक

रुड़की। गुरु पूर्णिमा के त्योहार पर गुरुवार को नगर में विभिन्न जगह अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। लक्ष्मी नारायण घाट पर 21 कलशों से मां गंगा का अभिषेक किया गया। भगवान विष्णु, ब्रह्म और शिव का पूजन भी किया गया। श्रद्धालुओं ने मां गंगा को वस्त्र भेंट किए। लक्ष्मी नारायण घाट पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेता चेरब जैन ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की सबसे पहली गुरु मां होती है। मां गंगा जगत जननी है तो इन्हें गुरु रूप मानते हुए इनका पूजन अभिषेक किया गया है। नगर पंचायत इमलीखेड़ा के अध्यक्ष मनोज सैनी ने कहा कि इस संसार में गुरु से बड़ा दर्जा किसी का नहीं है सदैव अपने गुरुओं का सम्मान करना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई–34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस–3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादकः **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com